fVdkÅ vkj lrr fodkl ij vk/kkfjr foKku /kkjkokfgd dMh & 2
¼fVdkÅ fodkl dk iFk ij½

शोध एवं आलेखः डा. मानस प्रतिम दास
अनुवादः डा. आर. एस. यादव

(टिकाऊ विकास पर केन्द्रित इस धारावाहिक की पहली नाटकीय प्रस्तुति में दो मुख्य पात्रों को लेकर दर कदम दम, हम आगे बढ़ेंगे। अरूण और शेखर अपनी मोटर साइकिलो पर लम्बी यात्रा पर निकलते है। यात्रा के दौरान वे विभिन्न पारिस्थिकी तन्त्रों से गूजरते है और भांति भांति के लोगो से उनका मिलना होता है। लोगो के साथ चर्चा से उन्हें प्रकृति के विनाश की जानकारी मिलती है। लोगो से वे चर्चा करते है और प्रकृति संरक्षण से समन्धित मुद्वों को उठाते है। इस प्रकार श्रोताओं को सतत विकास से जुड़े विभिन्न मुद्वों की जानकारी दी जाती है।)

"kh"kd xhr vkj ikjfEHkd mn?kks"k.kk

n"; %& मोटर साइकिल पर सवार दो यात्री /सड़क मार्ग / गाड़ियों के हॉर्न

v:.k%& अरे शेखर, जरा देख क्या समय हुआ है।

"k[kj %& साड़े आठ बजे है। हमें मोटर साइकिल चलाते हुए दो घन्टे से अधिक समय हो गया है।

v:.k %& थक से गये है।

"k[kj %& नहीं अभी नहीं थके है। देखो– सारी ज़मीन बँज़ड पड़ी है।

v:.k%& कहीं कोई हरियाली नहीं है। पिछले एक घन्टे की यात्रा में कोई पानी का स्त्रोत नज़र नहीं आ रहा हैं।

"k[kj%& यही तो मैं कह रहा हूँ । लगता है हम रेगिस्तान में चल रहे है।

v:.k%& (हँसते हुए) पृथ्वी के मानचित्र पर एक ओर रेगिस्तान... बच्चों को एक और नाम याद रखना पड़ेगा। कोई दूसरा इसका नामकरण करे, क्यों नहीं हम इसका कोई नाम रखे। सोचो – सोचो. याद आया (हँसते हूए)

v:.k%& गलत ख्याल नहीं है। अच्छा अरूण –शेखर रेगिस्तान– कैसा रहेगा।

"k[kj%& कितने स्वार्थी हो। सड़क के उस पार... देखो... देखो... वो... मुझे प्यास लगी हे। थोड़ी देर वहा रूकते है।

v:.k%& विश्राम चाहिये। चलो उस पेड़ के निचे कुछ आराम लेते है। ये पेड़ यहा कैसे टिका हुआ है.... आश्चर्य

ekVj lkbfdy :du dh vkokTk

v:.k%& शेखर उधर देखो। पेड़ की छावं में कोई बैठा हुआ है। कोई साधु लग रहा है।

“k[kj%& साधु....! आश्चर्य । रसायन विज्ञान का विशेषज्ञ लग रहा है। चलो पूछते हैं... मैरे केटरिंग के व्यवसाय का क्या भविष्य है?

v:.k%& ओह ! तुम अब भी भविष्यवाणी में विश्वास करते हों। मैंने कितनी बार कहा हे कि ये सब अन्धविश्वास और छलावा है।

“k[kj%& तुम क्यों परेशान हो रहे हो? मैनें तुम्हे अपना भविष्य जानने के लिए नहीं कहा है। मेरे को भी कुछ आज़ादी चाहिए। आइये, मोटर साइकिल खड़ा करते हैं।

ekVj lkbfdy :drh gA i`jk l pyu dh in pki

“k[kj %& (धीरे से) अच्छा उसको क्या सम्बोधन किया जाये.... बाबा... या..

v:.k %& तुम्हें ज्यादा अच्छा पता है। तुम्हारा अनुभव भी है। अच्छा चलते है। मैं भी कुछ पूछना चाहता हूँ।

“k[kj%& अरे वाह ! इतना परिवर्तन... अच्छा क्या पूछना है?

v:.k%& (हँसते हुए) अगला पैट्रोल पम्प ! पैट्रोल की टँकी खाली होने जा रही हैं।

“k[kj%& अच्छा भई अच्छा ! तुम्हारी जो इच्छा है वो ही करो... बाबा

(बुजुर्ग व्यक्ति निंद्रा में लेटा हुआ है)

“k[kj%& बाबा नमस्कार ! हमारा प्रणाम स्वीकार हो।

¼ctxZ mB& cBrk g vkj xyk lkQ djrk g½

exyw %& तुम कौन हो ? मैं कोई साधु नहीं हूँ। मेरा नाम मूँगलू है।

v:.k%& हम तो तुम्हें साधु समझ रहे थे।

exyw %& ये सब तुम पर निर्भर है। वैसे मैंने अपनी जिन्दगी में कोई खराब काम नही किया है। कभी चोरी नही की है और नाही कभी झूठ बोला है। इसलिए आप मुझे साधु कह सकते है (हँसते है)

“k[kj%& (जिज्ञासा स्वरूप) क्या मेरे हाथ की हथेली देखकर – आप मैरा भविष्य बता सकते है। मेरा केटरिंग का व्यवसाय केसा चलेगा।

exyw %& छमा करना। मैं भविष्य वक्ता नहीं हूँ। तुम भूखे–प्यासे थके हुए लग रहे हो। मेरे पास तो पानी भी नही है, जो तुम्हें पीने के लिए के सकूं।

v:.k %& मूँगलू उसकी चिन्ता छोड़ो। हम अपने साथ लेकर चले थे। क्या आप बता सकते हैं की अगला पैट्रल पम्प कितनी दूरी पर है?

exy%& पैट्रोल पम्प तो काफि दूर है। वैसे मैंने कभी पैट्रोल पम्प यहा नहीं देखा है। पैरों मे समस्या होने के कारण, मैं ज्यादा चल भी नहीं सकता हूँ। (अचानक विचार आता है।)

exy% & तुम्हारे पास मोबाईल फोन होगा। लोगो को अक्सर मेनें बाते करते हुए देखा है। आप उससे पूछ सकते है।

"k[kj%& GPS के बारे में? क्या आप इसके बारे में भी जानते है? क्या बात है?

v:.k%& (धिरे से) आप कुछ निराश से लगते हो। अब तो गाँव के लोग भी इसकी चर्चा करते है। उनको अब हाथ की लकिरो में विश्वास नही रहा है। ... समझे। आप बिल्कुल सही कह रहे है। GPS बहुत काम का है। परन्तु यह सब जगह उपलब्ध नहीं है। इसीलिए मैने पूछ लिया था। थोड़ा पानी पीले, ये मेरी Water bottle है। साथ लेकर चलता हूँ।

#¼ikuh fiu dk /ofu iHkko½ #

exy%& यदि GPS भी काम करे तो भी कही पानी के स्त्रोत नहीं मिलेंगे। क्या मुझे भी पानी मिलेगा?

v:.k%& तुम्हें भी प्यास लगी है। अपना मुंह खोलो, थोड़ा पानी मिलेगा, हमे लम्बी दूरी तैय करनी है।

exy%& आपका धन्यवाद (पानी पीता है) #

अच्छा ! क्या आप बतायेंगे, कहाँ जा रहे हो?

v:.k%& हम घूमने के लिए निकले है। जिससे हम देश की विविधता देख सके।

"k[kj%& हमने अभी तक एक लम्बी यात्रा तैय कर ली है। परन्तु यह जगह तो बिल्कुल भिन्न है।

v:.k%& लगता है आप यही कही रहते हो। परन्तु आस –पास कोई गाँव नज़र नहीं आ रहा है।

exy%& आपको कुछ किलोमीटर चलना होगा। वो देख रहे हो। उस टिल्ले से दाई तरफ चलना होगा।

v:.k%& समझ में आया। कोई समस्या नहीं है।

exy%& क्या आप जानना चाहोगे, मैं यहा क्यों आया हूँ? इस जंगल में अकेला क्यों बैठा हुआ हूँ।

v:.k%& हाँ.... हाँ... मैं पूछने ही वाला था। क्या भिक्षा के लिए बैठे हो। पर यहा कौन आयेगा।

e|xy%& आप ठीक कह रहे है। कौन आयेगा यहाँ? कुछ यादगार है जिनको ताजा करने के लिए मैं यहा आया हूँ।

“k[kj%& यादें, कौनसी यादें।

Ek|xy%& एक बड़ा तालाब। एक नही दो.... दो। यह वृक्ष उन दोनों के मध्य होता था। बहुत बड़े तालाब थे। यहा से लेकर... वो देखो... वहा तक पानी से भरे हुए होते थे। इसके आगे चलकर और भी कई एक जोहड़ और पानी के तालाब थे।

“k[kj%& हाँ, अनुमान लगाया जा सकता है, कितने बड़े होंगे वे तालाब, परन्तु कहाँ चले गये?

Ek|xy%& कितने अच्छे लगते थे? यहाँ पेड़ ही पेड़ थे। पक्षियों की चहल–पहल और चहचाहट चारों तरफ सुनाई पड़ती थी। किंगफिशर पक्षी मछलियों पर झपटे मारते हुए आप देख सकते थे। क्या सुन्दर दृश्य थे?

v:.k%& परन्तु वो सब पानी के स्त्रोत कहाँ चले गये? वो सूख भी नही सकते थे। क्या हूआ उनको?

e|xy%& सारे– के सारे विलुप्त हो गये। आपसी कलह और झगड़े के कारण, उनके पानी का बहाव रोक दिया गया। किसी को कोई फायदा भी नही हुआ।

“k[kj%& मूँगलू... हम समझ गये, आप क्या कहना, चाहते हो? वो कौन थे

Ek|xy%& लालची और निकम्मे राजाओं और उनके जागिरदारो ने भोली–भाली जनता को आपस में लड़ा दिया। दूसरा कोई पानी को काम मे न ले सके, इसके लिए पानी में जहर मिला दिया।

दृश्य परिवर्तनः– (ट्रक आता है और थोड़ी दूरी पर रूक जाता है। ट्रक सहायक, निचे उतरता है और ड्राईवर को कुछ कहता है। ड्रावर भी दरवाजा खोलता है और ट्रक से जम्प लगाता है और अपने Helper को गुस्से मे कुछ कहता है।)

Mªkboj %& (चिल्लाते हुए) मैं तुम्हें यही खत्म कर दूँगा, तुम समझते क्या हो?

gSYij%& (दोड़ते हुए): मुझे सब मालुम है। क्या कर सकते हो? है तुम में हिम्मत ! चले जाओ अकेले। मुझे नही चलना तुम्हारे साथ।

Mªkboj%& शरारती कीड़े! तुमने मेरा खून सोख लिया और अब कहते हो अकेले चले जाओ। रूको.
..

रूको... मैं मार–मार कर तुम्हारा भड़ता बना दूँगा।

¼Mªkboj nkSM+rk gS--- v:.k mlS “kkUr djrk gSA½

v:.k%& अरे भाई शान्त हो जाओ। तुम्हे क्या हो गया है जो एक दूसरे के खून के प्यासे हो गये हो।

Mªkboj%& सर! इसको मेंने हेल्पर की नोकरी दिलवाई और अब जानते हो

v : .k%& उससे क्या गलती हुई है? जो उसे मारना चाहते हो।

Mªkboj%& (शान्त होते हुए) सर, मेरा नाम नटराज है। हम उच्ची जाति से है और एक अच्छे खानदान से आते है। जानते हो, ये बन्दा मेरी बोतल से मूंह लगाकर पानी पी रहा था। यदि गाँव में होते तो, यह मेरे पास भी नहीं बैठ सकता था।

“k[kj%& वोह, समझे। पानी की बोटल पर ये सारी लड़ाई (हँसते हुए)।

Mªkboj%& सर! ऐसी बात नही है। मैने कई बार इसे खाली बोतल दी है और कहा है अपनी पानी की बोतल अलग से रखे। परन्तु इस पर कोई असर ही नही होता।

आज फिर इसने मेरी बोतल से पानी पिया है। आज मै इससे सारे हिसाब पूरा करना चाहता हूँ।

“k[kj%& नहीं भाई! क्रोधित मत हो। मैं उसे समझाता हूँ।

अरे गगन कहाँ हो? इधर आवो। डरो मत।

¼xxu pydj vkrk½ g

“k[kj%& गगन तुम ऐसा क्यों करते हो? अपनी बोतल से पानी क्यों नहीं पिते हो? तुम उनकी बोतल से पानी पिते हो और वो भी मूँह लगाकर। ऐसा करना स्वास्थ्य के लिए भी ठीक नहीं है। समझे ना?

Xkxu%& श्रीमान जी, मैं जानता हूँ। पर क्या करू। बोतल रखना भूल जाता हूँ। प्यास लगी थी, इसलिए उस्ताद की बोतल से पानी पी लिया था।

Mªkboj%& देखा आपने। बहाने बाज़ और तो ओर कितना शरीफ बन रहा है? मैं तुम्हारी ऐसी पिटाई करूँगा की याद रखोगो

v : .k%& नटराज ऐसा मत करना। मुझे विश्वास है, गगन तुम्हारा कहना मानेगा। खुशी– खुशी– अपनी यात्रा जारी रखो।

Mªkboj%& चल पागल... याद रखना, इन महानुभावो की बातों को

¼nkuk Vªd e cBr g vkj vkx py nr g½

eqxy%& (हँसते हुए) पानी पर तो बड़ी–बड़ी लड़ाई हुई है। ये दोनो एक बोतल को भी सांझी नहीं कर सकते है। कितनी आश्चर्य जनक बात है?

v : .k%& मूँगलू ये मन–मूटाव की लड़ाई नही थी। लोगो की विचारधारा बहूत संकीर्ण है।

“k[kj%& इस प्रकार की छोटी–छोटी बातों पर पूरा गाँव आपस में लड़ाई कर बैठता है।

Ekqxy%& श्रीमान जी, जाप ऐसे ही एक लड़ाई के मैदान पर बैठे हुए है।

एक समझदार वयोवृद्ध नागरिक ने उस लड़ाई को रोकने का प्रयास भी किया था। उसी ने हमें ये सारी कहानी बताई थी।

v : .k%& पानी की कहानी... वाह! क्या बात है?

"k[kj%& मुझे भी आश्चर्य हो रहा है। क्या आप बतायेंगे वो कौनसी कहानी है। हम सुनना चाहेंगे।

Ekxy%& वो कहते थे कि हमारे देश के पश्चिमी भाग मे एक बहुत बड़ा रेगिस्तान है। चारों तरफ बंजड़ भूमि। कोई पेड़ नही। सिर्फ छोटी–छोटी झाड़िया।

"k[kj%& हाँ समझे। उसका नाम है थार रेगिस्तान।

Ekxy%& मेरे को नाम नहीं मालुम, मुझे बस उसकी कही हुई बाते याद है। वो कहते थे कि वहाँ के लोग पानी का भण्डारण करके रखते थे।

v : .k%& वो सज्जन, पानी के भण्डारण की तकनीक समझाते थे, यहीं ना?

exy%& हाँ, उसे सब कुछ मालुम था। वो कहते थे कि लोग थोड़ी सी बरसात के पानी को भी इक्ठ्ठा करना जानते थे। जिसमें पानी ईकठ्ठा करते थे, उसे वो टांका कहते थे। स्थानीय लोग, स्वयं ही उनका निर्माण करते है। ईंट पर ईंट, पत्थर दर पत्थर इसकी चुनाई की जाती है।

v : .k%& शेखर.... तुम्हे कुछ समझ में आया। ये व्यक्ति हमें पानी के भण्डारण की तकनीक बता रहा है। जो कुछ उसने सुना है वो बिल्कुल सही है।

"k[kj%& क्या ऐसा है?

v : .k%& हाँ ऐसा ही है। इसे उनकी भाषा में पार भी कहते है। पानी के बहाव के क्षेत्र में कई, टाँका या बेरी का निर्माण किया जाता है, जिनमें बरसात का पानी ईकठ्ठा होता है। इनकी गहराई 5 से 12 मिटर तक होती है। राजस्थान के थार क्षेत्रों में ये अमूमन आपको मिल जायेंगे।

exy%& और हमारे राजाओं ने तो विनाश की गाथा खेली थी। पानी के सारे स्त्रोत नष्ट कर दिये। चारों तरफ बंजड़ भूमि। हे भगवान तुमने ऐसा क्यो किया?

v : .k%& राजस्थान में तो राजाओं की जल सरंक्षण में बहुत बड़ी भूमिका रही है। इसलिए वे प्रशन्सा के पात्र है।

"k[kj%& मूँगलू को देखो। कितना दुखी है। हमें अब चलना चाहिए, आगे की यात्रा लम्बी है।

v : .k%& हाँ... आइये आगे की यात्रा शुरू की जाए। थोड़ी देर में मूँगलू की दर्द भरी कहानी सुनने के लिए कोई ओर यात्रि आ जाऐगा। (हँसते हुए)

ckbd dh /ofu

v : .k %& क्या समय हो गया?

"k[kj%& साढ़े तीन बजे है। अब आगे की यात्रा बिना रूके करनी है।

v : .k%& (Bike पर बैठते हुए) हाँ, मुझे कोई उचित स्थान प्रतित नहीं हो रहा है।

“k[kj%& देखो.... उधर... कुछ टैन्ट दिखाई दे रहे है।

v:.k%& हाँ.... कुछ स्टाल भी है। हो सकता है, वहा खाना भी मिलता हो।

“k[kj%& मुझे चाय की इच्छा हो रही है।

v:.k%& मै भी, आइये इस लेन से चलते है।

¼dN nj pyu d ckn :du dh /ofu½

v:.k%& देखो, सूर्य कितना अच्छा लग रहा है। तापमान भी सामान्य हो चला है। शेखर ... उधर देखो। चाय का स्टाल नजर आ रहा है।

“k[kj%& इतनी जल्दी मत करो। चाय वाला कहीं भाग कर नहीं जा रहा।

¼Ikn pki& /ofu iHkko½

v:.k %& अरे भाई! क्या गर्म गर्म चाय मिलेगी।

“k[kj%& (हँसते हुए) प्लीज ना मत कहना। मेरा दोस्त बेहोश हो जायेगा।

Pkk;okyk%& आइये साहब, इधर बैठिये। मै अभी चाय बनाता हूँ।

“k[kj%& उधर देखिये। वो सज्जन भी यहीं चले आ रहे है।

¼# vjs ikx] vkj dUuu cgr gvkA vc cl djk] vkt dk dke lekIrA pyk e HkhFkMh nj lLrkdj pk; firk gA½

vjfoUnu%& मेरी स्पेशियल चाय कहाँ है? काम करते –करते थक गये है भाई !

pk;okyk%& ठीक साहब, अभी बनाता हूँ।

vjfoUnu%& मैं देख रहा हूँ, कुछ नये ग्राहक बैठे हुए है।

v:.k%& (हँसते हुए) मेरा नाम अरूण है और ये मेरा दोस्त शेखर है। हम देश भर की यात्रा पर निकले हुए है।

vjfoUnu%& ओह! आप लम्बी दौड़ के घोड़े है। मेरा नाम अरविन्दन है। हम वैज्ञानिक है और यहा शोध कार्यो के लिए खुदाई कर रहे है।

“k[kj%& खुदाई!

vjfoUnu%& (हँसते हुए) हाँ खुदाई। आप इसे फिल्ड कार्य भी कह सकते है।

हम इस क्षेत्र की मिट्टी का परीक्षण कर रहे है, जिससे पता चल सके की ये बंजड़ क्यों हो गई।

v:.k%& आपके कहने का मतलब है कि यह क्षेत्र पहले बंजड़ नही था।

vjfoUnu%& अभिलेखागार के रिकार्ड तो यही कहते है। ये कोई नई बात नहीं है। बहुत से ऐसे बंजड़ क्षेत्र मिल जायेंगे, जो पहले हरे–भरे थे। वहा की पूरी आबादी, वहाँ से चलकर और कही जाकर बस गई।

"k[kj%& आप अच्छी तरह जानते होंगे। कृपया कुछ और रोशनी डालेंगे। मैरी जिज्ञासा बढ़ती जा रही है।

vjfoUnu%& क्यों नहीं? पर पहले चाय हो जाए (हँसते हुए)

pk;okyk%& सर ये आपकी चाय और साथ में स्पेशल बिस्कूट

vjfoUnu %& (चाय की चूस्की लेते हुए) अब ठीक है। हाँ तो हम भूमि कटाव और मानव सभ्यताओं की बात कर रहे है। मैं आपको मेसोपोटामिया की सभ्यता के बारे मे बताता हूँ।

"k[kj%& यानि जो आधुनिक इराक है।

vjfoUnu%& सही समझे (हँसते हुए) मेसोपोटामिया की सभ्यता दजला और फरात नदियों के क्षेत्र में पनपी और बड़ी हुई। पुराने रिकार्ड से पता चलता है कि इन नदियों में आये बाढ़ और इनके द्वारा अपी धारावाहों के बदलाव के कारण, सब कुछ नष्ट हो गया। जो शहर कभी आबाद थे, वो खण्डहरों में बदल गये।

v:.k%& परन्तु ये सब कैसे हुआ। उनके अपने सिचांई के साधन थे। दजला और फरात (Tigris & Euphrates) नदियों के क्षेत्र में नहरों का जाल बिछा था।

vjfoUnu%& आबादी का अच्छा– खाशा दबाव और कटाव की समस्या

v:.k%& मै कुछ समझा नही।

vjfoUnu%& नहरों द्वारा, शुष्क क्षेत्रों में सिचाई करके फसल उगाई जाती थी। दज़ला और फरात नदियाँ अपने साथ मिट्टी का कटाव करती हुई बहती थी। इसी कटाव ने सभ्यताओं का विनाश कर डाला। पानी के साथ बहने वाली मिट्टी ने नहरों को पाट दिया। हर साल, नहरों से इस मिट्टी को साफ करना पड़ता था।

"k[kj%& अच्छा, परन्तु इसमें समस्या कहाँ थी?

vjfoUnu%& जैसे–जैसे आबादी बढ़ती गई, नई–नई नहरे खोदी गई। इसके लिए बहुत बड़ी मानव श्रमशक्ति की जरूरत पड़ती थी। बेबिलोनिया के शासक इसके लिए युद्ध में बन्दी बनाये गये सिपाहियों को काम में लगाने लगे।

v:.k%& क्या दिमाग पाया था?

vjfoUnu%& हाँ, परन्तु अन्त अच्छा नही हुआ। आन्तरिक कलह और बाहरी युद्धों के कारण इस कार्य में व्यवधान आने लगा। नहरों की समय पर सफाई न हो सकी और मिट्टी ने उन्हें पाट दिया। पानी की कमी ने, भरे–पूरे गाँवो और शहरो को बरबादी की ओर धकेल दिया। ये बरबादी किसी बड़े युद्ध से होने वाली बरबादी से कही अधिक रही होगी।

"k[kj%& क्या दर्दनाक रहा होगा। इराक के उस इतिहास के बारे मे बहुत कम लोग जानते है।

vjfoUnu%& क्योंकि पहले लड़ाइयाँ युद्ध जीतने और राजगद्दी प्राप्त करने के लिय लड़े जाते थे। विकास की किसको चिन्ता थी।

"k[kj%& क्या युद्धों से बचा नहीं जा सकता था?

vjfoUnu%& इसके बारे में कहना मुशकिल है। आबादी का दबाव था, और वस्तुओं एवं खाद्य पदार्थो का उत्पादन सीमित था। साथ में मिट्टी कट्टाव की समस्या।

v:.k%& बहुत ही दर्दनाक कहानी है। क्या इस प्रकार के और भी उदाहरण है।

vjfoUnu%& आप महान वैज्ञानिक और भूसंरक्षक Dr. Watter Lowdermilk को तो जानते ही होंगे। उन्होनें उन देशों में जहाँ सदियों से कृषि हो रही है, वहा के भूअभिलखों का अध्ययन किया है।

v:.k%& अच्छा! क्या रहा उसके अध्ययनों का परिणाम?

vjfoUnu%& उसने पाया की उन क्षेत्रों में जहाँ भूसंरक्षण का काम था, जंगल काटे जा रहे थे, चारागाह नष्ट कर दिए गए, किसान और दूसरों के बीच सामान्जस नहीं था, वहाँ सभ्यतायें विलुप्त हो गई और साम्राज्य नष्ट हो गये।

"k[kj%& इस प्रकार के विनाश से बचने के लिए भी उसने कुछ सुझाव दिए होंगे।

vjfoUnu%& हाँ ! उसने भू–संसाधनों के सरंक्षण पर जोर दिया है। भूमि कटाव को रोकने के अनेक तरिके सुझाये। जिनमें मुख्य है सिढ़ी नुमा खेती, वृक्षारोपण, फसलचक्र आदि। इन तरिकों को अपनाने वाली सभ्यतायें खूब–फली–फूली है।

"k[kj%& इस प्रकार फलने–फूलने वाली सभ्यताओं में कौनसी रही है?

vjfoUnu%& उत्तरी अफ्रिका के सहारा रेगिस्तान के क्षेत्र को तो आप जानते हैं वहा बहुत कम वर्षा होती है। डा. लानड्रमिल्क ने तबेशा के दक्षिण में 70 मील दूर कुछ अदभूत खोज निकाला। उसकी टीम ने पानी के संरक्षण की अनोखी तकनीक वहा पर पाई। रोमन सभ्यता के काल या उससे पहले के समय में, यहा के लोगों ने पानी के बहाव और भूमि के ढ़लाव को देखा और पानी के संरक्षण और भण्डार के तरिको को अपनाया।

v:.k%& यानि उन्होंने सफलतापूर्वक सिचाँई पद्धति को अपनाया।

vjfoUnu%& रोमन काल में पानी संरक्षण की ये तकनीक उत्कृष बन पड़ी थी। जमीन के ढ़हालों पर बागान और अगूँर की खेती की जानें लगी और घाटी में फसलों को उगाया जाने लगा।

v:.k%& एक से बढ़कर एक उदाहरण, जरूरत है उन्हे अपनाने की

vjfoUnu%& हिम्मत मत हारो। आज जहाँ हम बंजड़ भूमि देख रहे है कभी वहा हरियाली हुआ करती थी।

"k[kj%& समझे, आप किस क्षेत्र की बाात कर रहे है?

vjfoUnu%& जापान को ले सकते है। जिसे उगते सूरज का देश भी कहा जाता है। परन्तु वहाँ पर भी अब बदलाव आ रहा है। उधर देखो। वह अपनी दूकान बन्द करने जा रहा है। हमे भी अब चलना चाहिए।

"k[kj%& अरे ! ये तो अंधेरा होने जा रहा है।

vjfoUnu%& अच्छा आज रात्रि कहा ठहरने का, तुम्हारा कार्यक्रम है।

v:.k%& कोई निश्चित जगह नहीं है। हमें आश्रय तलाशना है। देखते है, कहाँ मिलता है ?

vjfoUnu%& आज रात आप मेरे साथ, हमारे टेन्ट में रूक सकते है। यदि चाहों तो।

"k[kj%& ये तो हमारा सोभाग्य होगा और आपसे बाते करने का अच्छा मोका जो मिलेगा

vjfoUnu%& आइये मेरे साथ। चलते–चलते और बातें होंगी।

"k[kj%& आप किसी सभ्यता की बाते कर रहे थे। ये सभ्यता क्या है?

vjfoUnu%& (हँसते हुए) वास्तव में ये एक किताब का शीर्षक है। ये किताब मासानॉबू फूकोका ने लिखी थी।

"k[kj%& इसका निष्कर्ष क्या है?

vjfoUnu%& ये टिकाऊ खेती पर रोशनी ढ़ालती है। जिसमें वैज्ञानिक ढ़ंग से भू–सरंक्षण, जल–भराव वृक्षारोपण, फसल चक्र आदि की चर्चा की गई है। यानि टिकाऊ और सतत विकास।

v:.k%& सुनने में तो अच्छा लग रहा है।

vjfoUnu%& बहुत ही रोचक है। फूकूका ने एक ही खेत में चावल और सन्तरे की खेती एक साथ करके बताया है। प्राकृति संतुलन का ध्यान भी रखना जरूरी है। कीटनाशकों के प्रयोग के बिना भी अच्छी फसल उगाई जा सकती है। कीटनाशकों के प्रयोग से प्राकृति चक्र नष्ट हो जाता है जो की आगे चलकर बहुत हानीकारक सिद्ध होता है।

"k[kj%& उसके अपने तरीके से भरपूर फसल पैदा करके सबको चकित कर दिया।

vjfoUnu%& हाँ ये सम्भव है, जो Fukuoka ने कर दिखाया। आज की परिस्थिति में यह कारगर और सफल तकनीक कही जा सकती है। ये हमे अणुवाँशिकी फसलो के उत्पादन पर फिर से सोचने के लिए विवश कर देती है।

"k[kj%& अति सुन्दर ! ये किताब कहाँ मिलेगी?

vjfoUnu%& में तुम्हे इसकी एक प्रति दे सकता हूँ। वो भी तोहफे में

"k[kj%& अच्छा ! मै तुम्हारा कृतज्ञ रहूँगा।

vjfoUnu%& (हँसते हुए) परन्तु आपको एक चयन करना पड़ेगा। मेरे द्वारा बनाई गई खिचड़ी या फिर इस पूस्तक में से

v:.k%& मेरी भी एक माँग है।

vjfoUnu%& माँग ! कौनसी माँग। मेने Expert Comment के बारे में तो सुना है, परन्तु Expert demand के बारे में कभी नहीं।

v:.k%& मुझे दोनों चाहिये (हँसते हुए)

"k[kj%& खिचड़ी भी और किताब भी

vjfoUnu%& आहा– आहा– आहा– (सभी एक साथ हँसते है)

lekiUu lqxhr /ofu @ "kh'kd xhr

.....

विज्ञान प्रशनोत्तरी

1. प्रश्नः– भारत के पश्चिम में पाये जाने वाले रेगिस्तान का क्या नाम है?
   उत्तरः– थार रेगिस्तान
2. प्रश्नः– बेबिलॉन सभ्यता के विनाश का मुख्य कारण क्या रहा है?
   उत्तरः– पानी की कमी और भूमि कटाव से पानी के स्त्रोतो का नष्ट होना।